संस्थागत विशिष्टता, 2020-2021

कॉलेज ने सामाजिक विविधता और महिला सशक्तीकरण और नवाचार के माध्यम से कौशल विकास कार्यक्रमों को प्राथमिकता प्रदान दी है | कॉलेज का दृष्टिकोण ग्रामीण एवं शहरी युवा छात्राओं को शिक्षित, सक्षम और सशक्त बनाना है | हमारा कॉलेज समाज में न्याय और समानता सुनिश्चित करने के लिए छात्रों के हाशिए पर और कमजोर वर्गों को मुख्यधारा में लाने की आवश्यकता पर जोर देता है। संस्थान का ध्येय न केवल रोजगारपरकता के व्यावहारिक लक्ष्य की ओर प्रदान की जाने वाली शिक्षा को आगे बढ़ाना है, बल्कि छात्राओं के जीवन का निर्माण करना और उनको समुदाय की सेवा के लिए संवेदनशील और उन्मुख करना है।

अपने इन्हीं कार्यक्रमों के तहत, कॉलेज ने 2020-2021 में कोविड -19 महामारी के दौरान, छात्राओं के लिए ऑफलाइन के साथ -साथ ऑनलाइन शिक्षण आयोजित करने के लिए एक महत्वपूर्ण सहायता संरचना प्रदान की। कॉलेज के आंतरिक ई कंटेन्ट कार्यक्रम के तहत छात्राओं को कंटेन्ट बैंक से जोड़ा गया। इसका मुख्य उद्देश्य को छात्राओं को उनके संदर्भ के लिए व्याख्यान की रिकॉर्डिंग उपलब्ध कराना है। अपने संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व और आउटरीच कार्यक्रम के तहत कॉलेज ने कोटा विश्वविद्यालय के अन्य सम्बद्ध कॉलेजों में भी अपने ई कंटेन्ट को साझा किया है |

कॉलेज में सक्षम कौशल विकास इकाई और दिशा कॉउन्सलिंग प्रकोष्ठ है। कौशल विकास इकाई के तहत "सीखो - कमाओ योजना " संचालित है जो कि छात्राओं को वित्तीय सहायता एवं कौशल विकास में सहायता एवं प्रशिक्षण उपलब्ध कराती है | कॉलेज का नवाचार प्रकोष्ठ आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए अंग्रेजी और आईसीटी कौशल में पाठ्यक्रम आयोजित करता है, और छात्राओं के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यशालों को आयोजित करता है।

संस्थान की एनसीसी की 92 कैडेट्स को को नंदी फॉउन्डेशन के तहत व्यक्तित्व विकास एवं वुमन कैरियर एन्हेंस्मेंट कार्यक्रम के अंतर्गत 40-40 घण्टे की ट्रेनिंग कराई गई। कैडेट सार्जेंट त्रिशला सक्सेना का आर.डी. कैम्प दिल्ली में शानदार प्रदर्शन एवं सहभागिता को देखते हुए प्रतिष्ठित वाई.ई.पी. कैम्प के लिए चयन हुआ |
दिशा केंद्र के तत्वावधान में महिलाओं के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य विषय पर कार्यशाला आयोजित कर छात्राओं को उनके स्वास्थ्य व पोषण से संबंधित उपयोगी जानकारी दी।

नवाचार एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के तहत अक्षम कल्याण संस्थान कोटा की सहभागिता में कोरोना वैक्सीनेशन शिविर लगाया गया, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए एक माह का निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया जिसमें कोटा शहर में पदस्थ राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों द्वारा छात्राओं को प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही छात्राओं के लिए पर्यावरण के लिए अनुकूल कला विषय पर व्याख्यान एवं कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें छात्राओं को अखबार पर पेंटिंग बनाना सिखाया एवं जनशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षक श्री ओमप्रकाश जी ने छात्राओं को स्क्रीन प्रिंटिंग का प्रशिक्षण दिया। दिनांक 25 फरवरी 2022 को भाटिया एण्ड भाटिया कंपनी द्वारा प्लेसमेंट शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 55 छात्राओं ने भाग लिया, 48 छात्राओं का इन्टरव्यू लिया गया।

कम्पनी द्वारा चार छात्राओं को जॉब लेटर दिया गया, टी.डी.पी विभाग की सहभागिता में रंगरोगन कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं को फर्नीचर को पेंट करने का प्रशिक्षण दिया गया। छात्राओं द्वारा सबसे आकर्षक रूप से पेंट की गई कुर्सी-टेबल के लिए तीन प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सीखो-कमाओं योजना के अन्तर्गत छात्राओं द्वारा चाय-नाश्ते की स्टॉल नियमित रूप से लगाई जा रही है, इस गतिविधि से छात्राओं में स्वयं के रोजगार के लिए उत्साह पैदा हो रहा है एवं व्यापार की बारीकियां जानने को मिल रही हैं। यहां उल्लेखनीय बात यह है कि राजस्थान के राजकीय महाविद्यालयों में सीखो-कमाओ योजना को संचालित करने वाला यह एक मात्र महाविद्यालय है।

कॉलेज के कई छात्राओं का चयन इस वर्ष भी कोटा विश्वविद्यालय की टीम के लिए किया गया है। हमारे संस्थान ने खेल प्रतियोगिताओं में लगातार दूसरे वर्ष जनरल चैंपियनशिप हासिल कर सफलता को जारी रखा है।

यह संस्थान अपने सामाजिक एवं अकादमिक कार्यक्रम के तहत, कॉलेज युवा, उत्साही महिलाओं को उनके सपनों और आकांक्षाओं को साकार करने में सक्षम बनाने के लिए असाधारण व्यक्तिगत पहल का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है।